INDIAN SCHOOL MUSCAT

PRIMARY SECTION

SECOND PERIODIC TEST 2018-19

HINDI

STD III___ SET-B

Name of the Student: _________________ Date: 17 /01 /2019 Total Marks: 20

प्रश्न 1 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 4

क□राजेंद्र बाबू कैसे व्यक्ति थे□

ख□दीवाली पर घर सुंदर क्यों लगते हैं□

ग□डाक से किसका पत्र आया□

घ□दीवाली की रात बाज़ार सुंदर क्यों लगते हैं□

प्रश्न 2 खाली जगह भरिए। 2

क□कीवी बहुत □□□□□□□□□□स्वभाव की चिड़िया है।

ख□दीवाली को □□□□□□□□□□का त्योहार कहते हैं।

ग□स्वयं सेवक नेताओं को □□□□□□□□□□के गिलास पकड़ा रहे थे।

घ□रानी और मोहित एक साथ □□□□□□□□□□पर झपटे।

प्रश्न 3 नीचे दिए गए शब्दों से अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए। 2

क□देश ख□ पक्षी

प्रश्न 4 सही या गलत का निशान लगाइए। 1

क□राजेंद्र बाबू भारत के पहले राष्ट्रपति बने। □

ख□गज्जन ने राजेंद्र बाबू के हाथ पकड़ लिए। □

प्रश्न 5 किसने किससे कहा। 1

क□"पापा यह कौर्न सी चिड़िया है□"

ख□"देखो□यह कीवी की नाक चोंच के कितने पास लगी है। "

प्रश्न 6 नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। **2**

क□कोट ख□ भोजन ग□ दुम घ□ आवाज़

प्रश्न 7 लिंग बदलिए। **1**

क□छात्र ख□ चिड़ा

प्रश्न 8 रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए। **2**

क□माली बगीचे की देखभाल करता है।

ख□बच्चा किताब पढ़ रहा है।

प्रश्न 9 सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए। **2**

क□वह कल भारत जाएगा।

ख□सोमवार को मेरा जन्मदिन था।

ग□रोहन अपना काम कर रहा है।

घ□उसे हिंदी की किताब चाहिए।

प्रश्न 10 अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **3**

एक तालाब में एक कछुआ और दो हंस रहते थे। वे तीनों मित्र थे। बारिश न होने के कारण तालाब का पानी कम हो गया था। हंसों ने दूसरे गाँव जाने की योजना बनाई। कछुए ने कहा -"क्या तुम मुझे भी अपने साथ ले चलोगे?" हंसों ने उसकी बात मान ली। हंस एक पतली छड़ी लेकर आए। उन्होंने कछुए से कहा-"तुम अपने मुँह से इस छड़ी को पकड़ लो और रास्ते में कुछ भी हो अपना मुँह मत खोलना।" हंसों ने अपनी चोंच से छड़ी के दोनों सिरे पकड़ लिए। जब वे एक गाँव से उड़ते हुए जा रहे थे उन्हें उड़ते देखकर नीचे बच्चे शोर मचाने लगे। कछुआ ये सब देखकर बहुत खुश हुआ। उसने जैसे ही अपना मुँह खोला वह नीचे गिर पड़ा।

क□तालाब में कौन कौन रहते थे□

ख□हंस क्या लेकर आए□

★खाली जगह भरिए।

ग□हंसों ने अपनी □□□□□□□□□से छड़ी के दोनों सिरे पकड़ लिए।

घ□रास्ते में कुछ भी हो□अपना □□□□□□□□□ मत खोलना।